सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 290 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 28 नवम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

केवल वही खरीदिये जिसे आप खुशी के साथ अगले दस सालों तक होल्ड कर सकें।
-वॉरेन बफे

डब्लूपीएल : दीप्ति शर्मा की लगी 3.20 करोड़... 7 | बिहार के बाद अब मिशन बंगाल... 3 | अपने सहयोगियों को ही खत्म... 2

एसआईआर व वंदे मातरम बढ़ाएगा सत्तापक्ष का सिरदर्द

विपक्ष हल्लाबोल को तैयार, घिरेगी एनडीए सरकार

» सरकार ने बुलाई रविवार को सर्वदलीय बैठक

» कांग्रेस, सपा, टीएमसी व डीएमके ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले महीने के 1 तारीख से संसद का शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। इसको लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों अपनी-अपनी तलवारों में धार तेज करने लगें है। सरकार जहां विपक्ष को नरम रखने के लिए रविवार को सर्वदलीय बैठक बुला रही है। वहीं विपक्ष किसी भी हालत में तेवर को ढीला नहीं पड़ने देना चाहता है।

इंडिया गठबंधन के सभी दल चाहे व कांग्रेस हो, सपा या फिर टीएमसी वह सभी वंदे मातरम, चंडीगढ़ से लेकर एसआईआर पर एनडीए सरकार पर को चौतरफा घेरने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि सरकार विपक्ष की धार को मारने के लिए सारे जुगत लगाने में जुट गई है। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार एक दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने देश के कई राज्यों में चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर को लेकर तीखा विरोध करने का फैसला किया है। सरकार का यह भी कहना है कि सर के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी आ चुके हैं और उनके हिसाब से चुनाव आयोग ने आवश्यक व्यवस्था की है। यानी एक लिहाज से विपक्ष जिसे तूल देकर मुद्दा बनाना चाहता है उस पर सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था भी आ चुकी है। जहां तक इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की बात है, एनडीए के पक्ष में बिहार में आया प्रचंड जनादेश यह बता रहा है कि जनता इसे मुद्दा नहीं मानती। सरकार का यह कहना है कि अगर व्यापक चुनाव सुधार की बात हो तो उस पर चर्चा कराने को वह तैयार हैं लेकिन आयोग के किसी फैसले या प्रक्रिया पर चर्चा नहीं हो सकती।

सपा व टीएमसी, एसआईआर का विरोध जोर-शोर से करेगी

हालांकि तृणमूल कांग्रेस सर को लेकर आक्रामक है। आज उसके नेता चुनाव आयोग से मुलाकात भी कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और बिहार की जीत से उत्साहित बीजेपी पश्चिम बंगाल का किला फतह करने की तैयारियों में जुट गई है। वहीं ममता बनर्जी सर को केंद्र सरकार की साजिश बता रही है। उसका आरोप है कि सर के जरिए मतदाता सूची में गड़बड़ी और बूथों की संख्या में कृत्रिम वृद्धि की जा रही है। तमिलनाडु में भी अगले साल चुनाव होने हैं और वहां सत्तारूढ़ डीएमके को भी सर में साजिश नजर आ रही है। वहीं समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान में कथित खामियों को लेकर हमलावर है।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 तक

> आयोग के किसी फैसले या प्रक्रिया पर चर्चा नहीं हो सकती।
> सत्ता पक्ष

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सरकार की रणनीति को अंतिम रूप दिया

बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक में शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने रविवार को एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है जिसमें विपक्ष से आमराय से सत्र चलाने की अपील की जाएगी। सरकार चाहती है कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्ष और उसके संपूर्ण पाठ को लेकर भी सदन में चर्चा हो। प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि 1937 में कांग्रेस ने वंदे मातरम की कई पंक्तियां हटा दी थीं जिससे विभाजन की नींव पड़ी।

सरकार बोली- खुले मन से किसी भी विषय पर चर्चा करने को तैयार

सरकार का कहना है कि वह खुले मन से किसी भी विषय पर चर्चा करने को तैयार है। लेकिन जहां तक सर का मुद्दा है, यह चुनाव आयोग की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है जिस पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। सरकार का यही रुख मॉनसून सत्र में भी था जब बिहार में सर को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया था और दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी।

19 दिसंबर तक चलेगा सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा और यह अपेक्षाकृत छोटा सत्र होगा। विपक्ष तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और सपा एसआईआर अभियान के खिलाफ संसद में विरोध करेंगे। सरकार इस सत्र में परमाणु ऊर्जा, उच्च शिक्षा, कॉरपोरेट कानून समेत दस बड़े विधेयक पेश करेगी। विपक्ष की यह लड़ाई सड़क के बाद अब संसद में लाने की तैयारी है। यह सत्र वैसे ही छोटा है, क्योंकि यह 19 दिसंबर तक ही चलेगा। ऐसे में विपक्षी विरोध के बीच सरकारी कामकाज पर सवालिया निशान लगने की संभावना बन रही है। सरकार इस सत्र में 10 बड़े विधेयक पेश करने जा रही है।

परमाणु ऊर्जा और भारतीय उच्च शिक्षा आयोग जैसे बिलों पर भी होगी तकरार

विपक्ष परमाणु ऊर्जा और भारतीय उच्च शिक्षा आयोग जैसे बिलों को लेकर भी विरोध कर रहा है। साथ ही चंडीगढ़ को लेकर प्रस्तावित संविधान संशोधन बिल को लेकर भी विपक्ष के मन में सवाल हैं। विपक्ष बेरोजगारी और दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर भी आक्रामक रहेगा। ऐसे में माना जा रहा है शीतकालीन सत्र हंगामेदार रह सकता है।

अपने सहयोगियों को ही खत्म कर देगी भाजपा : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- देशवासी सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें

» एसआईआर देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख ने भाजपा पर करारा वार किया है। उन्होंने कहा, कि जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का ख़ात्मा करेगी। इसलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी ख़राब स्थिति में ले जाएगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने एक्स पर एसआईआर प्रक्रिया का 20 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो। आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-ज़मीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। ये समय जागने का है और एक-एक वोट बचाने का है। उन्होंने विपक्षी दलों के साथ ही राजग में भाजपा के सहयोगी दलों का आह्वान करते हुए कहा, ''हमारी सभी विपक्षी दलों और यहां तक कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से यह अपील है कि एकजुट हों और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करें। उन्होंने कहा, भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने लिखा, आइए हम सब मिलकर उन भाजपाइयों और उनके अपरिवारवादी संगी-साथियों की सरेआम लूट से देश को बचाएं और वोट के रूप में अपनी पहचान को भी बचाएं, नहीं तो कल को ये देशवासियों को ही पराया साबित कर देंगे।

मृत अधिकारियों के परिजनों के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से अपील की कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ''मानसिक और शारीरिक रूप से आहत'' होकर अपनी जान गंवाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए।

सपा मृत बीएलओ के परिजनों को दो-दो लाख देगी

उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से मृतकों के आश्रितों की सहायता की घोषणा करते हुए कहा, ''हम भी प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये की सहायता राशि देने का संकल्प लेते हैं।'' यादव ने फतेहपुर की एक ख़बर का वीडियो भी साझा किया जिसमें दिखाया गया कि एक लेखपाल ने कथित रूप से काम का अत्यधिक दबाव होने के कारण अपनी शादी से एक दिन पहले आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, बिंदकी तहसील के खजुआ ब्लॉक में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार का शव मंगलवार सुबह उनके कमरे में लटका मिला। सुधीर को हाल ही में जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारियां दी गई थीं। सुधीर की मंगेतर काजल ने कहा कि उन पर काम का बहुत अधिक दबाव था, जिससे वह काफी परेशान रहते थे।

बसपा को बिहार में करारा झटका

» प्रदेश प्रभारी ने छोड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एक सीट जीतने वाली मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को बड़ा झटका लगा है। बसपा के बिहार प्रभारी अनिल कुमार ने अपने पद एवं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बसपा प्रमुख मायावती को लिखे पत्र में उन्होंने अपने इस्तीफा को लेकर निजी कारणों का हवाला दिया है।

वहीं, अपने कार्यकाल के दौरान मिले स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार भी जताया है। एक दिन पहले अनिल कुमार की मौजूदगी में पटना के महाराजा कॉम्पलेक्स स्थित सभागार में बिहार चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे एवं राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद के अलावा राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम सहित अन्य नेता शामिल हुए थे। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तुरंत बाद अचानक अनिल कुमार के इस्तीफा देने से बसपा को बड़ा झटका लगा है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में बीएसपी अकेले मैदान में उतरी थी और एक सीट पर ही जीत दर्ज की। कैमूर जिले की रामगढ़ सीट से बसपा प्रत्याशी सतीश यादव ने भाजपा कैंडिडेट को महज 30 वोटों के अंतर से हराया। बसपा को अब अपने एकमात्र विधायक के टूटने का डर भी सता रहा है।

वोटर लिस्ट में हेरफेर करवा रहे असम के सीएम : गोगोई

» कांग्रेस नेता बोले- भाजपा कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में शामिल किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर एसआईआर प्रक्रि या के दुरुपयोग और बाहरी भाजपा कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में शामिल करने का गंभीर आरोप लगाया है, जिससे असमिया मतदाताओं की संख्या कम करने की साजिश रची जा रही है। गोगोई ने चुनाव आयोग से इस मुद्दे पर सख्ती बरतने और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है, जबकि मुख्यमंत्री सरमा ने गोगोई को पाकिस्तानी एजेंट करार देते हुए जुबीन गर्ग मौत मामले के बाद जांच का वादा किया है।

असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार आगामी चुनावों से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए एसआईआर प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही है। गोगोई ने दावा किया कि मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों से भाजपा कार्यकर्ताओं को गाड़ियों में भरकर असम लाने और उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों का उद्देश्य असमिया मतदाताओं की संख्या कम करना है। कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने और चुनावी प्रक्रि या में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में, चुनाव आयोग को गंभीर होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को यह बताना चाहिए कि उनके पास मशीन-पठनीय मतदाता सूची क्यों नहीं है।

गोगोई ने आरोप लगाया कि ऐसी व्यवस्था न होने से हेरफेर की गुंजाइश बनी रहती है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम होता है। उन्होंने चुनाव आयोग से अपनी स्थिति स्पष्ट करने और चुनाव से पहले सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने का आह्वान किया। असम कांग्रेस ने लगातार एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और राज्य सरकार पर जनसांख्यिकीय और राजनीतिक समीकरणों को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। गोगोई ने कहा कि असम के लोग अभी भी जुबीन गर्ग के निधन का शोक मना रहे हैं और दिवंगत गायक को असमिया समाज का एक सच्चा नेता बताया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रशंसक और राजनीतिक नेता रविवार को गुवाहाटी में इस प्रतिष्ठित गायक के निधन के एक महीने पूरे होने पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए एकत्र हुए थे। दिवंगत गायक को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों और प्रतिष्ठित हस्तियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने फिर गोगोई को बताया पाकिस्तानी एजेंट

दूसरी ओर, असम के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद और एपीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई 100 प्रतिशत पाकिस्तानी एजेंट हैं। गौरव गोगोई 100 प्रतिशत पाकिस्तानी एजेंट हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह 100 प्रतिशत सही है। कल, देबब्रत सैकिया (असम विधानसभा के विपक्ष के नेता) ने कहा कि गौरव गोगोई को मेरे खिलाफ मामला दर्ज कराना चाहिए; अगर वह ऐसा करते हैं, तो मुझे खुशी होगी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, जुबीन गर्ग मौत मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के बाद हम गौरव गोगोई मामले की जांच शुरू करेंगे।

ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र के विध्वंसक बने : भानु चिब

» भोपाल में युवा कांग्रेस का एसआईआर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा, आज हम भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) और भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोट चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। लोकतंत्र की रक्षा करने वाले ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र के विध्वंसक बन गए हैं।

वह प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। हम उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और जब तक उन्हें होश नहीं आता और वे देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए काम करना शुरू नहीं करते, तब तक हम पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने भोपाल में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने अधिकारियों पर सत्ताधारी दल के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, जिसके बाद लाठीचार्ज और पानी की बौछार का इस्तेमाल हुआ और कुछ गिरफ्तारियां भी हुईं। युवा कांग्रेस का कहना है कि जब तक चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की रक्षा नहीं करता, वे देशभर में विरोध जारी रखेंगे। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रहे एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान को लेकर बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजधानी स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने शहर के व्यापमं चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया।

भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाती है : श्रीनेत

» कांग्रेस का पलटवार- बीजेपी गुजरात का 'एक्स' अकाउंट आयरलैंड में कैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कुछ 'एक्स अकाउंट के 'लोकेशन (स्थान) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी मूर्खतापूर्ण दलीलें देकर असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि यदि भाजपा की दलील ठीक है तो उसे बताना चाहिए कि उसकी गुजरात इकाई और 'स्टार्टअप इंडिया के अकाउंट आयरलैंड से क्यों संचालित हो रहे हैं?

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर और अन्य देशों में स्थित सोशल मीडिया अकाउंट राहुल गांधी और वामपंथी तंत्र के इशारे पर भारत विरोधी माहौल बना रहे हैं।

उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा के एक्स अकाउंट की लोकेशन अमेरिका है। उनके इस आरोपों पर सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा पर पलटवार करते हुए संवाददाताओं से कहा कि 'एक्स ने एक नया प्रोडक्ट शुरू किया है, जिसमें अकाउंट के लोकेशन की जानकारी मिलती है हालांकि, इसे लेकर एक्स की तरफ से भी एक क्लेरिफिकेशन आया है। 'एक्स ने कहा है कि लोकेशन, यात्रा या किसी तकनीकी दिक्कत से बदल सकता है। ये डेटा सही नहीं हो सकता है। श्रीनेत ने कहा कि ये जानते हुए भी भाजपा ने संवाददाता सम्मेलन करके कहा कि कांग्रेस के समर्थकों के कई हैंडल विदेश से चल रहे हैं तथा यह देश के खिलाफ साजिश है, ऐसे में मैं इन्हें बताना चाहती हूं कि भाजपा या नरेन्द्र मोदी देश नहीं हैं, भाजपा को मूर्खता नहीं दिखानी चाहिए.।

बिहार के बाद अब मिशन बंगाल तैयार

टीएमसी चौथी बार सत्ता बरकार रखने के लिए आतुर

- भाजपा व टीएमसी ने बनाया प्लान
- पूरे राज्य का दौरा करेंगे दोनों दल
- बीजेपी ने राज्य को पांच प्रमुख जोनों में बांटा
- ममता बनर्जी भाजपा की काट पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव के बाद अब बंगाल चुनाव के लिए राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने लगे हैं। राज्य की सत्ता पर काबिज टीएमसी फिर से चौथी बार सत्ता बरकार रखने के लिए आतुर है। वहीं दो बार धीरे-धीरे बंगाल में पैठ बना रही भाजपा वहां पर सत्ता प्राप्त करने के लिए हर साम-दाम दंड भेद अपना रही है। दोनों दलों से अपने चुनावी प्लान तैयार कर लिए है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने बड़ा प्लान तैयार किया है। बिहार चुनाव में सफलता के बाद पार्टी ने राज्य को पांच प्रमुख जोनों में बांटकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति बनाई है। इसके लिए छह राज्यों से 12 वरिष्ठ नेताओं को बंगाल में तैनात किया गया है, जिनमें छह संगठन मंत्री और छह सहायक नेता या मंत्री शामिल हैं। ये नेता अगले पांच महीनों तक बंगाल में डेरा डालेंगे और टीएमसी के गढ़ों में सेंध लगाने के साथ-साथ वेलफेयर योजनाओं का प्रचार करेंगे। पार्टी का लक्ष्य है कि इस दौरान 75 प्रतिशत बूथ प्रमुखों की बहाली हो जाए और वोट शेयर में कम से कम पांच से सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हो।

उत्तर बंगाल बीजेपी के लिए खास

बता दें कि उत्तर बंगाल बीजेपी के लिए खास महत्व रखता है क्योंकि यह क्षेत्र राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से लगभग 54 सीटों को कवर करता है। यह नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की सीमाओं से सटा हुआ है, जिससे इसका रणनीतिक महत्व बढ़ जाता है। बीजेपी ने यहां बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया है। इस जोन में दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार, मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जैसे जिले शामिल हैं। इन जिलों में राज्य के कुल वोट शेयर का 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने यहां 40 प्रतिशत से अधिक सीटें जीती थीं। पार्टी का लक्ष्य है कि इस बार वोट शेयर को 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 44 से 45 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। बीजेपी की पांच महीने की तैनाती नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 तक चलेगी। यह रणनीति बिहार मॉडल पर आधारित है, जिसमें 'ग्राम चालो जैसे ग्रामीण कार्यक्रम, हिंदू वोट एकीकरण और वेलफेयर योजनाओं का प्रचार शामिल है। दिसंबर से चुनावी जनसभाओं और रैलियों की शुरुआत होगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह कैंपेन का नेतृत्व करेंगे।

बीजेपी ने बंगाल को पांच जोनों में बांटा

राढ़बंगात्र हावड़ा-हुगली-मेदिनीपुर, उत्तर बंगाल- कोलकाता-दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना। छह राज्यों से 12 वरिष्ठ नेताओं की तैनाती, हर जोन में एक संगठन मंत्री और एक वरिष्ठ नेता तैनात किया गया है। उदाहरण के लिए, उत्तर बंगाल की जिम्मेदारी अरुणाचल प्रदेश के संगठन मंत्री नारायण मिश्र को दी गई है, जबकि राढ़बंगा क्षेत्र में पवन साईं और धन सिंह रावत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह हावड़ा में पवन राणा और संजय भाटिया, मेदिनीपुर में यूपी के मंत्री जेपीएस राठौर, और कोलकाता-दक्षिण 24 परगना में हिमाचल के एम. सिद्धार्थन और कर्नाटक के सीटी रवि को तैनात किया गया है। उत्तर बंगाल जोन की निगरानी राजस्थान के पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी करेंगे।

भूपेंद्र यादव को बंगाल की जिम्मेदारी

केंद्रीय स्तर पर जिम्मेदारी भूपेंद्र यादव को दी गई है, जो बंगाल के लिए मुख्य चुनाव प्रभारी होंगे। उनके साथ पूर्व त्रिपुरा सीएम और लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब सह-प्रभारी के रूप में काम करेंगे।

एक बंगला हो न्यारा... बिहार में बना बवाल

पूर्व सीएम राबड़ी देवी को निवास खाली करने की नोटिस

- नेता प्रतिपक्ष विप बोलीं- नहीं करेंगे खाली
- राजद ने भाजपा व जदयू को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राबड़ी देवी के पूर्व सरकारी बंगले को खाली करने से इनकार करने के बयान से बिहार की राजनीति गरमा गई है, राजद इसे राजनीतिक द्वेष करार दे रहा है। यह निर्णय एनडीए की हालिया ऐतिहासिक जीत के बीच आया है, जो महागठबंधन के लिए एक बड़ा झटका है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कहा कि बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी लगभग दो दशकों से जिस सरकारी बंगले में रह रही हैं, उसे खाली नहीं करेंगी। मां के समर्थन में पुत्री रोहिणी व तेजप्रताप भी आ गए है। पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने यह बयान राज्य भवन निर्माण विभाग द्वारा राबड़ी देवी को विधान परिषद में विपक्ष की नेता के लिए निर्धारित आवास 39, हार्डिंग रोड में स्थानांतरित करने के निर्देश के एक दिन बाद दिया। पत्रकारों से बात करते हुए, मंडल ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के सामने स्थित 10, सर्कुलर रोड स्थित बंगला, चाहे कुछ भी हो जाए, खाली नहीं किया जाएगा।

निर्णय राजनीतिक द्वेष से प्रेरित : मंडल

मंडल ने आरोप लगाया कि यह निर्णय राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है, और कहा कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए की हमारे नेता लालू प्रसाद के प्रति दुर्भावना की बू आती है। मंडल ने सवाल किया कि नीतीश कुमार ने इस पद के लिए बंगला निर्धारित करने में दो दशक का इंतजार क्यों किया और तर्क दिया कि सरकार को 10, सर्कुलर रोड को अपने पास रखना चाहिए था, क्योंकि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी दोनों मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

राबड़ी देवी 1997 से यहां रह रही हैं

राबड़ी देवी 1997 से 2005 तक बिहार की सीएम रहीं और इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बनीं। राबड़ी देवी 1997 में अपने पति और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के इस्तीफे के बाद सीएम बनीं, जब चारा घोटाला मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद उन्हें सीएम पद से हटना पड़ा था। राबड़ी देवी 2018 से बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता हैं। इस बीच, हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, एनडीए ने 243 में से 202 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जबकि महागठबंधन को केवल 35 सीटें मिलीं। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया, जो दूसरी बार है जब एनडीए ने राज्य चुनावों में 200 सीटों का आंकड़ा पार किया। 2010 में, इसने 206 सीटें जीती थी। एनडीए में, भाजपा ने 89 सीटें, जनता दल (यूनाइटेड) ने 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीती। विपक्षी दलों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 25 सीटें, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने छह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (लिबरेशन) (एमएल)(एल) ने दो, भारतीय समावेशी पार्टी (आईआईपी) ने एक और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीआई(एम) ने एक सीट जीती।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संविधान दिवस तब ही सफल जब कर्तव्य भी निभाएं

26 नवंबर को पूरे देश ने संविधान दिवस धूमधाम से मनाया। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष ने खूब बखान किया। एक दूसरे पर तंज कसे। पर असली संविधान दिवस मनाने को दिन तो तब परिपूर्ण होगा जब संविधान के हिसाब सब कोई समनता से पूरे भारत में रहेगा, और अपने अधिकारों को ही नहीं मांगेगा बल्कि अपने कर्तव्यों को भी निभाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए आने वाले वर्ष में लोग संविधान का और सम्मान करेंगे और अपने पुरखों की बनाये संविधान के हिसाब से आचरण करेंगे। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर, वर्ष 2015 में भारत सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया था। इसका उद्देश्य उन संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों के बारे में नागरिकों को जागरूक बनाना है, जिन पर हमारा शासनतंत्र आधारित है। यह दिवस हमें अवसर देता है कि हम संविधान में निहित मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन- व्यक्त करें। तब से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस दिवस पर हम संविधान के ऐतिहासिक अंगीकरण को स्मरण करते हैं और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तथा संविधान सभा के सभी महान सदस्यों के योगदान के लिए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

यह दिवस हमें अवसर देता है कि हम संविधान में निहित मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन- व्यक्त करें। तब से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस दिवस पर हम संविधान के ऐतिहासिक अंगीकरण को स्मरण करते हैं और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तथा संविधान सभा के सभी महान सदस्यों के योगदान के लिए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

हमें यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि भारतीय संविधान केवल संविधान सभा के केंद्रीय कक्ष में बैठकर नहीं लिखा गया था। हमारे संविधान के निर्माताओं ने दूरदर्शिता दिखाते हुए, न केवल अन्य संवैधानिक लोकतंत्रों के अनुभवों और विचारों को अपनाया, बल्कि लाखों-करोड़ों भारतीयों के सपनों और सुझावों को भी संविधान में स्थान दिया। नागरिकों के पत्रों, ज्ञापनों, याचिकाओं, पर्चों और प्रेस में व्यक्त विचारों ने भी संविधान निर्माण की प्रक्रिया को दिशा दी थी। इस प्रकार संविधान के निर्माण में संविधान सभा के सदस्यों के साथ साथ आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। हमारे आधुनिक संवैधानिक इतिहास के प्रारंभिक चरण में ही, देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले सामान्य भारतीयों ने संविधान को भावनात्मक रूप से अपनाया। निर्माण के समय जनता की यह व्यापक स्वीकृति ही शायद हमारे संविधान की स्थिरता का मूल कारण है। इस प्रकार निर्मित संविधान न केवल समय की कसौटियों पर खरा उतरा है, बल्कि एक नवजात राष्ट्र को जिन कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, उनके बावजूद समय के साथ इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ी है। भारतीय संविधान में हमारे स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा, राष्ट्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक समझ तथा अन्य लोकतांत्रिक देशों के अनुभवों से मिली सीख की परिपक्वता निहित है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जहरीले पानी से प्रवासी पक्षियों के जीवन पर संकट

पंकज चतुर्वेदी

राजस्थान की साम्भर झील कई वर्षों से प्रवासी पक्षियों के लिए मौत का मैदान बनती जा रही है। वर्ष 2019 में यहां हजारों पक्षी मरे, पिछले वर्ष लगभग 200 और इस साल भी करीब 70 पक्षियों के शव मिले। मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए सैंपलों से पुष्टि हुई कि इन मौतों का मुख्य कारण एवियन बोटुलिज़्म ही है, जो लगातार झील में पक्षियों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। भारत में विदेशी पक्षियों के लिए सबसे बड़े ठिकाने में से एक साम्भर झील में आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही है। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजातियों के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही रही है। सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिग्री तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं।

ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़कर आते हैं, विज्ञान के लिए भी अनसुलझी पहेली है। भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'साम्भर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों—जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। अब यह झील 4700 वर्ग किमी में सिमट गई है। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ प्रतिशत- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अत: नमक-माफिया भी यहां की ज़मीन पर कब्जा करता रहता है। इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बनाए रखने के लिए इसमें छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली के बाद यहां विदेशी पक्षियों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है।

यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज़्म नामक बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यहां साम्भर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है। यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर

विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देते हैं। उनके पंख एवं पैरों में लकवा हो जाता है। अंत में प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाईपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पक्षियों ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हुई। पक्षी विशेषज्ञ के मुताबिक साल 2025 में त्रासदी का प्रारंभ साम्भर के नामक वाले इलाके से हुआ है। औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। वर्ष 2010 में भी पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ। दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने साम्भर झील को रामसर साइट घोषित किए जाने के बाद यानी 24 मार्च, 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार की आधी-अधूरी जानकारी के चलते झील का पानी और खराब होता गया। साम्भर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो साम्भर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुएं और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। वहीं परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है। यहां किसी भी नगर कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिष्कृत करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

यह जलवायु परिवर्तन की त्रासदी है कि इस साल औसत से कोई 46 प्रतिशत ज्यादा पानी बरसा। इससे झील के जल ग्रहण क्षेत्र का विस्तार हो गया। चूंकि इस झील में नदियों से मीठा पानी की आवक और अतिरिक्त खारे पानी को नदियों में मिलने वाले मार्गों पर अतिक्रमण हो गए हैं, सो पानी में क्षारीयता का स्तर नैसर्गिक नहीं रह पाया। भारी बरसात के बाद यहां तापमान फिर से 27 डिग्री के पार चला गया। इससे पानी का क्षेत्र सिकुड़ा और उसमें नमक की मात्रा बढ़ गई, जिसका असर झील के जलचरों पर भी पड़ा।

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

अतनु बिस्वास

अब जबकि हमारा देश 'भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना जरूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है। डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना जरूरी है। उनका मानना था कि 'मनो-राजनीति' (साइकलोपॉलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है।

स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक 'फार्माकोन' है- जहर जो इलाज भी करता है - और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना 'इस्तेमाल' करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग 'महत्वपूर्ण गहनता' के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में 'तकनीकी संप्रभुता' की अवधारणा का पुनर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यत: भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरुआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवत: चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया।

एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डाटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। इसमें विदेशी नियंत्रण केंद्रों पर निर्भरता से बचना, संवेदनशील डाटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डाटा हो। इस प्रकार, 'डेटा संप्रभुता' और 'एआई संप्रभुता' आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। आज राष्ट्रों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है।

उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है। अप्रैल 2024 में प्रकाशित विश्व आर्थिक मंच के एक लेख में, जिसका शीर्षक है 'संप्रभु एआई, यह क्या है, और इसकी प्राप्ति के छह रणनीतिक स्तंभ', के अनुसार, संप्रभु एआई के लिए प्रयास का अर्थ अनिवार्य रूप से डिजिटल अलगाव नहीं है, बल्कि रणनीतिक लचीलेपन के लिए प्रयास है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर किया जा सकता है। रणनीतिक स्तंभ, जिनमें डिजिटल बुनियादी ढांचा, कार्यबल विकास, अनुसंधान, विकास एवं नवाचार, नियामक एवं नैतिक तानाबाना, एआई उद्योग को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं, ये अवयव देशों को अपनी संप्रभु एआई क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे। इसलिए, संप्रभु एआई का मार्ग जटिल है और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर सावधानीपूर्वक, दीर्घकालिक रणनीतिक योजना की आवश्यकता पड़ेगी। विभिन्न देशों में संप्रभु एआई के उदाहरणों में, सिंगापुर में एक सरकारी-वित्त पोषित एआई मॉडल मौजूद है, जो ग्यारह विभिन्न भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है; मलेशिया का आईएलएमयूचैट मॉडल, जिसे एक स्थानीय निर्माण कंपनी ने बनाया है; और स्विट्जरलैंड में 'एपर्टस',तो दक्षिण कोरिया ने कोरियाई भाषा और डाटा आधारित 'संप्रभु एआई' के निर्माण के लिए 735 बिलियन डॉलर खर्च करने का इरादा किया है।

भारत में, मार्च 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी, जिसके तहत 'भारत में एआई का निर्माण और भारत के लिए एआई को उपयोगी बनाने' के उद्देश्य से 38,000 जीपीयू तैनात करके पांच वर्षों में 10,300 करोड़ से अधिक आवंटित किए जाने हैं। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने 2024 की शुरुआत में घोषणा की थी कि 'हर देश को संप्रभु एआई की आवश्यकता है'। एआई संप्रभुता की वैश्विक दौड़ के बीच गौर करने लायक है कि संप्रभु एआई सेवाएं मुख्यत: अमेरिकी और चीन की चंद बड़ी तकनीकी विशेषज्ञता वाली कंपनियों द्वारा प्रदान की जा रही हैं। दुनिया के देश अक्सर बुनियादी ढांचे और चिप्स के लिए अधिकांशत: उन पर दीर्घकालिक निर्भरता के लिए मजबूर हैं। ये बड़ी तकनीकी कंपनियां संप्रभुता को एक सेवा के रूप में प्रदान करके, संप्रभु प्रौद्योगिकी से जुड़े विमर्श को प्रभावित कर रही हैं।

हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए खाएं देसी थाली

भारत की थाली पोषक तत्व और फ्लेवर से भरपूर होती है। हमारी थाली में दाल, चावल, सब्जी, पूड़ियां, अचार, सलाद और रायते को देखकर किसी के भी मुंह में पानी आ जाता है। यही कारण है कि भारत की पारंपरिक थाली को दुनिया के कई देशों ने स्वादिष्ट और पोषणयुक्त बताया है। हालांकि जब भारतीय थाली की बात आती है तो इसमें सिर्फ व्यंजनों का जिक्र होता है। कोई भी ये नहीं जानता है कि थाली में परोसे जाने वाले व्यंजनों का अनुपात क्या होना चाहिए, ताकि शरीर को सही मात्रा में पोषण मिल सके। आजकल बाजरा, जौ, रागी और अन्य देसी अनाजों का क्रेज फिर से बढ़ रहा है। शहरी और ग्रामीण दोनों ही इलाके इन पोषक तत्वों से भरपूर अनाजों को अपने आहार में शामिल कर रहे हैं। कई लोग अब गेहूं और चावल की जगह बाजरे की रोटियां, रागी की खिचड़ी और जौ का हलवा पसंद कर रहे हैं। ये अनाज न केवल शरीर के लिए फायदेमंद हैं बल्कि इन्हें पचाना भी आसान है। इसके अलावा, देसी अनाजों की खेती पर्यावरण के लिए भी बेहतर मानी जाती है। इसी वजह से अब पारंपरिक देसी थाली का महत्व बढ़ रहा है। पोषण और स्वाद दोनों के लिहाज से ये थाली हर उम्र के लोगों के लिए आदर्श बन गई हैं।

हृदय स्वस्थ्य रखे

जौ और बाजरे में ओमेगा-3 फैटी एसिड और सॉल्यूबल फाइबर होता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और हृदय रोगों के जोखिम को घटाता है। रागी में कैल्शियम और आयरन की अधिकता होती है। ये हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है और बच्चों के विकास के लिए लाभकारी है। यह दिल की धमनियों को स्वस्थ रखने के साथ फेफड़े को भी मजबूत बनाता है। साथ ही हार्ट अटैक से कोसों दूर रखता है। वहीं, यदि आप अस्थमा या सांस संबंधी किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त हैं, तो अपनी डाइट में मोटे अनाज को जरूर शामिल करें।

पाचन सुधारे

फाइबर युक्त अनाज जैसे बाजरा और जौ, आंतों की गतिविधियों को दुरुस्त रखते हैं। ये कब्ज और गैस जैसी पाचन समस्याओं को रोकने में मदद करता है। बाजरा, जौ और रागी जैसे अनाज में कार्बोहाइड्रेट अच्छी मात्रा में होते हैं। ये धीरे-धीरे ऊर्जा रिलीज करते हैं, जिससे दिनभर शरीर को सक्रिय रखने में मदद मिलती है। मिलेट्स वजन कम करने में भी सहायक है। यदि आप वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज व डाइट प्लान फॉलो कर रहे हैं, लेकिन बढ़ रहे वजन पर कोई खास फर्क नहीं पड़ रहा है, तो अपनी डाइट में श्री अन्न को जरूर शामिल करें।

वजन नियंत्रित करे

ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), कंगनी, कुटकी, कोदो, सांवा और जौ जैसे अनाज आते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन आदि जरूरी तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। ग्लूटेन-फ्री बाजरा और रागी लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं। ये अनावश्यक भूख को रोकता है और वजन नियंत्रित रखने में सहायक होता है।

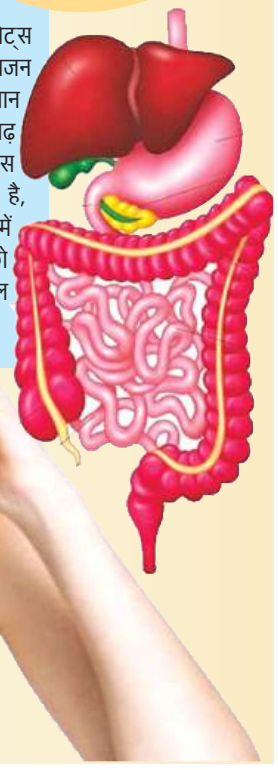

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

सुंदर त्वचा और काले, लंबे-घने और सिल्की बालों की चाहत हर किसी की होती है। लेकिन धूल-प्रदूषण और बिगड़ती लाइफस्टाइल के कारण हमारे बालों त्वचा को काफी नुकसान पहुंचता है। इसके कारण वे रूखे व बेजान दिखाई देते हैं। इसलिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। हालांकि, इन सबके अलावा, अगर आप अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देंगे, तो आपकी सारी मेहनत पर पानी फिर सकता है। इसलिए हमें अपनी डाइट में शामिल अनाज, दालें और घी विटामिन ई, प्रोटीन और मिनरल्स प्रदान करते हैं। ये त्वचा को नर्म और बालों को मजबूत बनाता है। दालें और मोटे अनाज विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं। ये तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

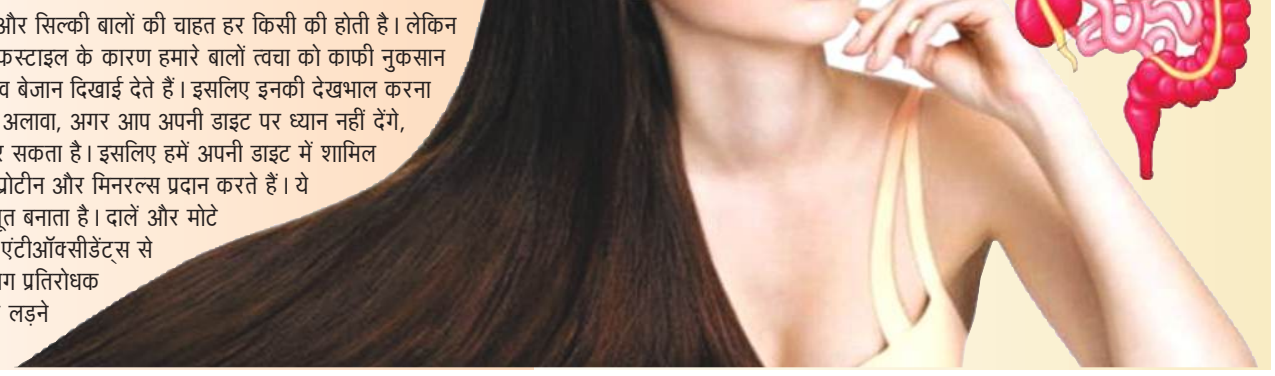

हंसना मना है

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो? मरीज- जी, मंदिर चला जाता हूं... डॉक्टर-ध्यान लगाते हो वहां? मरीज- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं... मरीज की बात सुनकर डॉक्टर हैरान रह गया...

सेल्समैन- सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या? पप्पू- नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड़-प्यार नहीं करते.. आज पाउडर लगा देंगे तो कल हो सकता है परफ्यूम मांगे... सेल्समैन बेहोश...

कंजूस महिला दुकानदार से- ऐसा साबुन दो जो कम घिसे और नहाने के बाद चेहरे पे लाली लाए... दुकानदार नौकर से- मैडम को एक ईंट का टुकड़ा दे दो...

पिंटू ने कंडक्टर से पूछा: आप कितने घंटे बस में रहते हो? कंडक्टर: जी 24 घंटे। पिंटू: वो कैसे? कंडक्टर: देखिए, 8 घंटे तो सिटी बस में रहता हूं और बाकी के 16 घंटे बीवी के बस में रहता हूं।

कहानी | जोरू का गुलाम

एक बार की बात है, राजा अकबर व बीरबल दरबार में बैठे कुछ अहम मामलों पर चर्चा कर रहे थे। तभी बीरबल ने अकबर से कहा, मुझे लगता है कि ज्यादातर पुरुष जोरू के गुलाम होते हैं और अपनी पत्नियों से डर कर रहते हैं। बीरबल की यह बात राजा को बिल्कुल भी पसंद न आई। उन्होंने इस बात का विरोध किया। इस पर बीरबल भी अपनी बात मनवाने पर अड़ गए। उन्होंने राजा से कहा कि वे अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। मगर, इसके लिए राजा को प्रजा के बीच एक आदेश जारी करवाना होगा। वह आदेश यह था कि, जिस पुरुष के अपनी पत्नी से डरने की बात सामने आएगी, उसे दरबार में एक मुर्गी जमा करानी होगी। राजा बीरबल की इस बात पर तैयार हो गए। अगले ही दिन प्रजा के बीच आदेश कराया गया कि अगर यह बात सिद्ध हो जाती है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी से डरता है, तो उसे दरबार में आकर बीरबल के पास एक मुर्गी जमा करवानी होगी। फिर क्या था, देखते ही देखते बीरबल के पास ढेरों मुर्गियां इकट्ठा हो गईं और सैंकड़ों मुर्गियां महल के बगीचे में घूमने लगीं। अब बीरबल राजा के पास पहुंचे और बोले, महाराज! महल में इतनी मुर्गियां इकट्ठा हो गई हैं कि आप एक मुर्गीखाना खोल सकते हैं, इसलिए अब आप इस आदेश को वापिस ले सकते हैं। मगर, महाराज ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और महल में मुर्गियों की संख्या धीरे-धीरे और भी ज्यादा बढ़ने लगी। इतनी अधिक मुर्गियां महल में जमा हो जाने के बाद भी जब राजा अकबर बीरबल की बात से सहमत नहीं हुए, तो बीरबल ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए एक नया उपाय निकाला। एक दिन बीरबल राजा के पास गए और बोले, महाराज! मैंने सुना है कि पड़ोस के राज्य में एक बहुत ही खूबसूरत राजकुमारी रहती है। अगर आप चाहें, तो क्या मैं आपका रिश्ता वहां पक्का कर आऊं? यह सुनते ही राजा चौंक उठे और बोले, बीरबल! तुम ये कैसी बातें कर रहे हो। महल में पहले से ही दो महारानियां मौजूद हैं। अगर उन्हें इस बात की भनक भी लगी, तो मेरी खैर नहीं होगी। यह सुनकर बीरबल ने तपाक से जवाब दिया, चलिए महाराज, फिर तो आप भी मेरे पास दो मुर्गियां जमा करा ही दीजिए। राजा बीरबल का ऐसा जवाब सुनकर शरमा गए और उन्होंने अपना आदेश उसी वक्त वापस ले लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

वृषभ प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मिथुन प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कन्या घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तनाव रहेगा।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

मीन भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अब डरकर नहीं, सोच-समझकर अपने फैसले लेती हूं : राशि खन्ना

हाल ही में राशी खन्ना फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एक राजस्थानी किरदार निभाया, जिसे काफी सराहा गया। अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के बाद अब वह लगातार नए और चैलेंजिंग किरदारों की तलाश में हैं। अमर उजाला से बातचीत में राशी ने अपने प्रोफेशनल सफर के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि हर भाषा और संस्कृति को अपनाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा। इसी बातचीत में उन्होंने टाइपकास्टिंग, स्क्रिप्ट सिलेक्शन और अपने ड्रीम रोल्स पर भी विचार साझा किए। मुझे लगता है कि ये एक ब्लेसिंग है कि मैं अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों में किरदार निभाती हूं। चैलेंजिंग भी रहता है क्योंकि आसान नहीं होता। लेकिन मेरा मानना है कि यही एक्टर होने का सबसे दिलचस्प हिस्सा है। जब मैं सेट पर पहले दिन जाती हूं तो मुझे थोड़ी नर्वसनेस होती है। क्योंकि आपको पता होता है कि आप पर प्रेशर है...सही एक्सेंट देना है, सही इमोशन देना है और उस भाषा में ऑथेंटिक लगना भी जरूरी है। वहीं नर्वस एनर्जी मुझे ग्रो करने में मदद करती है। मैंने 120 बहादुर में राजस्थानी किरदार निभाया। अपने अगले शो में मैं पंजाबी बनी और मैंने बंगाली लड़की का किरदार भी निभाया। हर बार पहला दिन सबसे चैलेंजिंग होता है। लेकिन धीरे-धीरे मैं किरदार में ढल जाती हूं। आज अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कौन हूं तो शायद मैं खुद भी नहीं बता पाऊंगी। मुझे लगता है कि मैं सच्ची इंडियन हूँ क्योंकि मैंने इतने अलग-अलग रूप निभाए हैं। मेरे लिए ये चैलेंज से ज्यादा फिल्मों के जरिए मिली एक ब्लेसिंग है। जब मुझे 120 बहादुर ऑफर हुई थी तो मेरा पहला रिएक्शन गर्व का था। मुझे खुशी हुई कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है। मेरे लिए यह जरूरी नहीं था कि किरदार कितना लंबा है। ज्यादा मायने यह रखता है कि उसका इम्पैक्ट कितना गहरा और लंबा चलेगा। कहानी सुनते ही लगा कि ये कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। डायरेक्टर के पास आर्मी से जुड़े फर्स्ट हैंड एक्सपीरियंस थे क्योंकि उनके परिवार में कई लोग आर्मी में रहे हैं।

बंसल मर्डर केस की गुत्थी सुलझाने निकले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

रात अकेली है 2 का टीजर हुआ जारी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की अदाकारी से सजी अपकमिंग फिल्म रात अकेली है, द बंसल मर्डर्स का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी पुलिस की भूमिका में हैं। फिल्म में वह बंसल परिवार के मर्डर केस को सुलझाते हुए नजर आएंगे।

टीजर में देखा जा सकता है कि बंसल परिवार का एक ही रात में मर्डर हो जाता है। इसके बाद एक रहस्मयी घर दिखता है। कुछ लोग पूजा कर रहे होते हैं। कब्रिस्तान की झलक दिखती है। बंसल मर्डर केस की जांच नवाजुद्दीन सिद्दीकी करते हैं। जब वह केस की जांच कर रहे होते हैं, तो उन्हें कई अजीब चीजें जानने को मिलती हैं। इस पर वह कहते हैं बंसल मर्डर कोई छोटा-मोटा कांड नहीं है, यह हत्याकांड है। इसकी जड़ मैं कहीं से भी ढूंढ निकालूंगा याद रखिएगा। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी करते हुए इसकी रिलीज की तारीख भी बताई है। टीजर जारी करते हुए नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा है इंस्पेक्टर जटिल का रात के अंधेरे से पुराना रिश्ता है लेकिन बंसल मर्डर का केस और भी गहरा है। रात अकेली है। द बंसल मर्डर 19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आ ही है।

आपको बता दें कि रात अकेली है 2 साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म रात अकेली है का सीक्वल है। इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी, चित्रांगदा सिंह, राधिका आप्टे, रजत कपूर, रेवती, दीप्ति नवल और संजय कपूर अहम किरादार में होंगे। इसके निर्देशक हनी त्रेहान हैं। लेखक स्मिता सिंह हैं। जिसे आरएसवीपी और मैकगफिन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

शबाना को पसंद आयी फिल्म 120 बहादुर फरहान अख्तर के अभिनय की प्रशंसा की

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शबाना आजमी ने फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर में उनके अभिनय की जमकर तारीफ की। इसके साथ ही शबाना ने फिल्म '120 बहादुर' और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में फरहान के दोनों किरदारों की तुलना की। शबाना ने इंस्टाग्राम पर फरहान अख्तर की एक शानदार फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है फरहान। तुम्हारा अभिनय बहुत ईमानदार और दिल को छूने वाला है। बधाई हो तुम्हें, रितेश सिधवानी और पूरी टीम को।

आगे शबाना ने फरहान की दो फिल्मों में उनके किरदारों की तुलना करते हुए लिखा, यकीन नहीं हो रहा कि शैतान सिंह का किरदार निभाने वाला अभिनेता वही है, जिसने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में इमरान का किरदार निभाया था। शबाना की इस पोस्ट पर फरहान ने रिप्लाई करते हुए लिखा, आपसे तारीफ सुनना बहुत बड़ी बात है। धन्यवाद।

फिल्म '120 बहादुर' 1962 के भारत-चीन युद्ध की असली घटना पर आधारित है। इसमें रेजांग ला की लड़ाई दिखाई गई है। उस समय 13 कुमाऊं रेजिमेंट की सिर्फ120 जवान थे, जिन्होंने 3000 से ज्यादा चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। सभी 120 जवान शहीद हो गए, लेकिन उन्होंने दुश्मन को बहुत नुकसान पहुंचाया। इस फिल्म में फरहान अख्तर ने परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह भाटी का किरदार निभाया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जोया अख्तर द्वारा निर्देशित सुपरहिट फिल्म है। इस फिल्म में फरहान ने इमरान का मजेदार, भावुक और हल्का-फुल्का किरदार निभाया था।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे महंगा पंख

इस पंख की कीमत है सोने से 30 गुना ज्यादा, वजह जानकार हो जायेंगे हैरान

दुनिया में अनमोल चीजों की कोई कमी नहीं है, जिसमें सोने से लेकर हीरे तक शामिल हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि इन बेशुमार चीजों में एक ऐसा पंख भी शुमार हो सकता है, जिसकी कीमत सोने से तीस गुना ज्यादा हो? इस बात को सुनकर ही कोई भी हैरान हो जाएगा। उसे शायद यकीन भी नहीं होगा, लेकिन यह सच है! यह पंख न सिर्फ महंगा है, बल्कि अपने अनोखेपन और खासियत की वजह से दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा है। इस पंख का वजन मात्र 9 ग्राम है।

यह पंख दुनिया के बेहद दुर्लभ पक्षी हुइया का है, जो न्यूजीलैंड का मूल निवासी था। यह पक्षी अब गायब हो चुका है और इसी वजह से इसका पंख अब अत्यंत दुर्लभ साथ ही ऐतिहासिक माना जाता है। बता दें कि इस पक्षी का पंख कभी माओरी संस्कृति में शाही प्रतीक हुआ करता था। इसके अलावा यह पक्षी अपनी मीठी बोली और मुख्य रूप से काले चमकदार पंखों और सफेद रंग की लंबी पूंछ वाले पंखों के लिए जाने जाते हैं।

हाल ही हुए एक नीलामी में इस पंख को लगभग 30,000 डॉलर में बेचा गया, जिसे भारतीय मुद्रा में लगभग 27 लाख रुपये के बराबर माना जाता है। यह कीमत कई बार सोने के मूल्य से 27 गुना अधिक मानी गई है। इतनी ऊंची कीमत सुन हर कोई हैरान रह गया। बता दें कि एक ग्राम सोने की कीमत 12 हजार 800 रुपए के करीब है। ऐसे में 9 ग्राम 24 कैरेट सोना जहां 1 लाख 15 हजार की कीमत का है, तो ये पंख 27 लाख का।

सबसे पहला कारण तो यह है कि यह पक्षी 20वीं सदी के शुरुआत में ही विलुप्त हो गया था। ऐसे में इससे जुड़ी अब कोई भी वस्तु दुनिया में बेहद अनमोल है। दूसरा कारण यह है कि न्यूजीलैंड की माओरी जनजाति में यह पंख सम्मान और उच्च सामाजिक स्तर का प्रतीक माना जाता था। अनमोल वस्तुएं हमेशा लोगों का आकर्षण का केंद्र रही हैं। यही कारण है कि इस पंख की नीलामी में कीमत लगातार बढ़ती गई। साथ ही विलुप्त प्रजातियों से जुड़ी चीजें अक्सर भावनात्मक और वैज्ञानिक दोनों स्तर पर खास मानी जाती हैं। हुइया पक्षी के पंख की बनावट बेहद अनोखी और सुंदर होती है। साथ ही साथ यह ऐतिहासिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति का चिन्ह है जो अब इस धरती पर नहीं बची है, इसलिए ये और भी खास है। इस तरह से आप कह सकते हैं कि इस पंख के आगे सोने-चांदी जैसे महंगे धातु भी फीके हैं।

दुनिया का एक ऐसा देश जो पिछले 200 सालों से नहीं लड़ा कोई भी जंग

हमारे पड़ोसी मुल्कों के साथ रिश्ते हमेशा से ही तल्ख रहे हैं। भारत शांति चाहता है, लेकिन पड़ोसी मुल्कों की नापाक नजर हमेशा हमारे देश पर बनी रहती है। ऐसे में कभी आतंकी हमले के जरिए वो भारत को नुकसान पहुंचाते हैं, तो कभी बॉर्डर पर तनाव की स्थिति हो जाती है। हालांकि, भारत इकलौता ऐसा देश नहीं है, बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध और संघर्ष चल रहे हैं। हालांकि, इसके बावजूद, एक ऐसा देश है, जो पिछले 200 सालों से भी अधिक समय से युद्ध में शामिल नहीं हुआ। अब आप सोच रहे होंगे कि वो देश कौन सा है, तो बता दें कि वह यूरोपीय देश स्वीडन है। स्वीडन किसी विदेशी सैन्य संघर्ष में आखिरी बार 1814 में शामिल हुआ था। इसे स्वीडिश-नॉर्वेजियन युद्ध के नाम से जाना जाता है। इस संघर्ष के बाद स्वीडन ने अपनी विदेश नीति में गैर-युद्ध और तटस्थता की नीति अपनानी शुरू कर दी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वीडन ने आधिकारिक तौर पर तटस्थता बनाए रखी, हालांकि उसकी तटस्थता पर कभी-कभी सवाल उठाए गए। इसने धुरी राष्ट्रों और मित्र राष्ट्रों दोनों के साथ व्यापार और परिवहन सहायता प्रदान की। हालांकि, इसने युद्ध में सीधे तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं की। हालांकि स्वीडन लंबे समय से युद्ध से मुक्त है, फिर भी इसकी एक स्थायी सेना (स्टैंडिंग आर्मी) है। युद्ध के बजाय स्वीडन शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी आदि में निवेश कर रहा है। इसके कारण स्वीडन को दुनिया के सबसे सुरक्षित, शांतिपूर्ण और खुशहाल देशों में से एक के रूप में जाना जाता है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान ज्यादातर यूरोपीय देश जंग में शामिल हो गए थे, लेकिन स्वीडन तब भी जंग से दूर रहा। नॉर्वे, फिनलैंड और स्वीडन जैसे देशों के बीच मजबूत सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग है। पड़ोसी देशों के साथ किसी भी गंभीर सीमा मुद्दों के न होने के कारण यह दुनिया के शांतिपूर्ण देशों में से एक है।

दिल्ली नगर निगम उपचुनाव का थमा प्रचार

12 वार्डों पर भाजपा और आम आदमी पार्टी में कड़ी टक्कर

» आप-भाजपा व कांग्रेस ने छानी गलियों की खाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के लिए शुक्र वार को प्रचार का आखिरी दिन है और भाजपा तथा आप के वरिष्ठ नेताओं ने मतदाताओं को लुभाने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को दिल्ली नगर निगम के 12 खाली वार्डों के लिए होने वाले उपचुनावों की तैयारी लगभग पूरी कर ली है। मतगणना 3 दिसंबर को होगी। राज्य चुनाव आयुक्त विजय देव ने कहा कि आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वोटिंग सुनिश्चित करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहा है।

जिन 12 वार्डों में उपचुनाव हो रहे हैं उनमें मुंडका, शालीमार बाग, अशोक विहार, चांदनी चौक, द्वारका, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर शामिल हैं। वोटिंग के लिए 580 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जिनमें सबसे ज़्यादा 55 पोलिंग बूथ शालीमार बाग वार्ड में हैं, जिसे रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री बनने के लिए छोड़ दिया था। 12 वार्ड में कुल वोटर्स की संख्या 6,98,751 है, जिनमें से 3,74,988 पुरुष और 3,23,710 महिलाएं हैं। 53 थर्ड-जेंडर और 60 दिव्यांग वोटर्स हैं। बुज़ुर्ग वोटर्स की संख्या 14,529 है, जबकि इस साल 18 साल के हुए वोटर्स की संख्या 4,458 है। इससे बुज़ुर्ग वोटर्स का प्रतिशत 2.07 प्रतिशत हो जाता है, जो युवा वोटर्स (0.63 प्रतिशत) के प्रतिशत से ज़्यादा है। एमसीडी उपचुनाव के लिए आज प्रचार का आखिरी दिन है और भाजपा तथा आप के वरिष्ठ नेताओं ने मतदाताओं को लुभाने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। रेखा गुप्ता ने को चांदनी महल वार्ड के प्रत्याशी सुनील शर्मा के समर्थन में छत्ता लाल मियां में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे आगामी उपचुनावों में केवल भाजपा के उम्मीदवारों को ही पार्षद चुनें ताकि भाजपा के सर्वांगीण विकास एजेंडे का लाभ उठा सकें।

जनता अब भाजपा पर चलाएगी बुलडोजर: संजय

'आप' के नेताओं ने 12 वार्डों के लिए हो रहे उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया। अशोक विहार वार्ड 65 में पार्टी उम्मीदवार सीमा विकास गोयल के लिए प्रचार करते हुए, 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने भले ही झुग्गियों पर बुलडोज़र चला दिए हों, लेकिन अब जनता भाजपा पर बुलडोज़र चला देगी। इस बीच, दिल्ली विस में विपक्ष की नेता आतिशी ने मुंडका वार्ड 35 और दक्षिणपुरी वार्ड 164 में अपना अभियान चलाया और मतदाताओं से आगामी एमसीडी उपचुनाव में 'आप' को समर्थन देने का आग्रह किया।

जनता के लिए भाजपा ही एकमात्र विकल्प: सचदेवा

इससे पहले, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी प्रत्याशी वीना असीजा के समर्थन में अशोक विहार वार्ड में स्थानीय पंजाबी और सिंधी समुदाय की एक बड़ी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता समझती है कि भाजपा ही उनके लिए एकमात्र विकल्प है, क्योंकि इस पार्टी को चुनने का मतलब है बेहतर विकास और बेहतर रखरखाव।

फडणवीस सरकार के मंत्री के बयान से मचा सियासी घमासान

» भूसे बोले- शिंदे फिर करेंगे महाराष्ट्र का नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले बीजेपी और एकनाथ शिंद की शिवसेना के बीच संबंधों में तनाव है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल दोनों दलों एक दूसरे के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रहे हैं, जिसके कारण दोनों दलों में तनाव की स्थिति है। इस बीच राज्य सरकार में शिवसेना कोटे से मंत्री दादा भुसे ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ऐसे सीएम रह चुके हैं, जो लोगों के दिलों में बसते हैं। जल्द ही लोग उन्हें फिर से राज्य का नेतृत्व करते देखेंगे। नंदुबार में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज भी अगर आप लोगों से पूछे कि उनके दिल में कौन सा सीएम है, तो वह कहेंगे कि एकनाथ शिंदे हैं। भूसे ने दावा किया कि चिंता मत कीजिए, जो किस्मत में लिखा है, हम फिर से एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का नेतृत्व करते देखेंगे।

उन्होंने दावा किया कि शिंदे एक ऐसे सीएम थे, जो देर रात तक सभी से मिलते थे और दिन में 20 से 22 घंटा काम करते थे। बता दें कि एकनाथ शिंदे ने साल 2022 में बगावत की थी, जिसके बाद उद्धव ठाकरे की महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी और शिवसेना में फूट पड़ गई थी। 2022 से 2024 तक एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम रहे। गौरतलब है कि 2024 के विधानसभा चुनावों में महायुति की जीत के बाद, देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे की जगह ली।

डब्ल्यूपीएल : दीप्ति शर्मा की लगी 3.20 करोड़ की बोली

» पांच टीमों ने 67 खिलाड़ियों पर लगाई बोली, एमेलिया बनी सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग का पहला मेगा ऑक्शन हुआ। इस दौरान पांचों टीमों ने मिलकर कुल 67 खिलाड़ियों पर बोली लगाई और 40.8 करोड़ खर्च किए। इसमें 23 विदेशी खिलाड़ी रहे। फ्रें चाइजी ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए 21.65 करोड़ खर्च किए गए। जबकि विदेशी खिलाड़ियों के लिए 19.15 करोड़। नीलामी के बाद गुजरात और यूपी का स्क्वाड पूरा है और दोनों के पर्स में अभी भी 15-15 लाख बचे हैं। जबकि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के पास 16-16 खिलाड़ियों का स्क्वाड है।

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा को महिला प्रीमियर लीग की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनी। जबकि वनडे विश्वकप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले। दीप्ति को यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रूपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रूपये अधिक मिले थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी। यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रूपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा।

पीएम मोदी ने टी20 विश्वकप विजेता महिला क्रिकेट दृष्टिबाधित टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम से मुलाकात की। इसका वीडियो सामने आया है। खिलाड़ियों और स्टाफ ने पीएम मोदी और ट्रॉफी के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इस दौरान पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से बात की और उनका अनुभव जाना। पीएम ने टीम से दिल्ली स्थित अपने आवास पर मुलाकात की। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। इस टूर्नामेंट की सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती दौर में पांच में से सिर्फ एक मैच जीत सकी थी।

अब तो कुछ करें सरकार, स्थिति दुखद: किरण बेदी

» जानलेवा हवा पर पूर्व उपराज्यपाल ने पीएमओ से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति के बीच, पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को टैग करके क्षेत्र को प्रभावित करने वाले संकट के समाधान में हस्तक्षेप की मांग की। गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम के बारे में बात करते हुए, उन्होंने लिखा कि मैं इंदिरापुरम में रहती हूं और अभी एक्यूआई 587 है।

शिक्षकों के संदेश के बावजूद मैंने अपने बच्चे को स्कूल नहीं भेजा है। मैंने प्रधानाचार्य को एक सख्त पत्र लिखा है। मेरे नियंत्रण क्षेत्र में जो भी होगा, मैं वही करूंगी। और कहा, सर, कृपया सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करें। उन्होंने कहा कि स्थिति पीड़ादायक और निराशाजनक है। बेदी ने बताया कि बिगड़ते पर्यावरण ने उन्हें घर के अंदर रहने पर मजबूर कर दिया है।

पैसों का वादा कर जनता से वोट मांगना गलत : शरद पवार

» भतीजे अजित पवार पर बरसे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है तो निधि (कोष) हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार ने उन्हें आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वित्तीय आश्वासन के आधार पर वोट मांगना गलत है। पुणे जिले के बारामती में संवादाताओं से बात करते हुए शरद पवार ने यह भी कहा कि बारिश और बाढ़ के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को राज्य सरकार द्वारा दी गई सहायता पर्याप्त नहीं है।

राकांपा का नेतृत्व कर रहे अजित ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनेंगे तो शहर के लिए कोष की कमी नहीं होने देंगे लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें 'नकार' दिया गया, तो वह भी 'नकार' देंगे। राज्य के विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं। उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों के बाद इस बात पर बहस चल रही है कि राज्य के कोष को कौन नियंत्रित करता है। शरद पवार ने कहा कि कितनी राशि दी जाए, इसे लेकर भी प्रतिस्पर्धा चल रही है। शरद पवार ने कहा, किए गए कामों के आधार पर वोट मांगने के बजाय अब वित्तीय आश्वासनों के सहारे वोट मांगे जा रहे हैं। यह ठीक बात नहीं है।

दिल्ली की भाजपा सरकार की खुली पोल

» डरावना होता जा रहा है दिल्ली में प्रदूषण का हाल

» रिपोर्ट में खुलासा- 31 फीसदी शहर छोड़ने की तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण जानलेवा तो हो ही गया है। अब उसका इतना खतरनाक असर हो रहा है कि लोगों ने शहर छाड़ने को मन कर लिया। ये बातें एक सर्वे में सामने आई हैं। इसी के साथ दिल्ली की भाजपा सरकार की पोल भी खुल गई है। जिसमें उसने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने की बड़ी-बड़ी बाते की थी। बता दें मटेन पल्सएआई के सर्वे से पता चलता है कि 80 फीसदी से ज्यादा लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

इनमें पुरानी खांसी, थकान, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण शामिल हैं। 68.3 फीसदी लोग पिछले एक साल में खासतौर पर प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास गए। दिल्ली-एनसीआर की लगातार जहरीली होती हवा से खराब होती सेहत को देखते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने शहर बदलने का प्लान बनाना शुरू कर दिया है। 31 फीसदी तो इस विषय में गंभीरता से सोचने लगे हैं और दूसरे शहरों में घर देखने से लेकर बच्चों के स्कूल के बारे में भी पता कर रहे हैं। यह खुलासा स्मिटेन पल्सएआई के सर्वे में हुआ है। पता चला है कि 80 फीसदी से ज्यादा लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें पुरानी खांसी, थकान, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण शामिल हैं। 68.3 फीसदी लोग पिछले एक साल में खासतौर पर प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास गए।

प्रदूषण ने लोगों का बजट बिगाड़ा

सर्वे में बताया गया है कि प्रदूषण ने लोगों की जेब पर भी बड़ा असर डाला है। 85.3 फीसदी परिवारों ने बताया कि घर के खर्च बढ़ गए हैं, इसमें एयर प्यूरीफायर, मास्क, दवाएं और डॉक्टर के चक्कर अब रोजमर्रा का हिस्सा बन गए हैं। 41.6 फीसदी लोग तो आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। सर्वे जारी करते हुए स्मिटेन पल्सएआई के सह-संस्थापक स्वागत सारंगी ने कहा कि लगातार खराब हवा सिर्फ पर्यावरण की समस्या नहीं रह गई है। यह अब जीवनशैली, स्वास्थ्य और रहने-जैसे फैसलों को प्रभावित कर रही है।

बिहार के नतीजों के लिए मैं भी जिम्मेदार: राहुल गांधी

कांग्रेस की हार पर मंथन व चिंतन, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने ली अहम बैठक, गठबंधन पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में कांग्रेस की हार की समीक्षा के लिए शीर्ष नेताओं की बैठक हुई, जहाँ पार्टी केवल छह सीटें जीतकर अपनी चुनावी रणनीति पर सवाल उठा रही है। महागठबंधन को भारी नुकसान झेलना पड़ा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हार के लिए पूरी जिम्मेदारी लेने बात स्वीकारी।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में करारी हार पर पार्टी में किसी पर दोषारोपण करने के बजाए, आने वाले चुनावों पर फोकस करना चाहते हैं। उन्होंने बिहार चुनाव पर हुई पार्टी की बड़ी बैठक में कांग्रेस नेताओं से शुरू में ही साफ तरह से कह दिया था कि अगर बिहार के नतीजों पर किसी को दोष देना चाहते हैं तो मैं भी बराबर का ही भागीदार हूं। इसीलिए उन्होंने पार्टी के लोगों से यही कहा कि बिहार के नतीजों को भुलाकर आगे आने वाले चुनावों की तैयारियां शुरू कर दें। राहुल का यही कहना था कि अगर हार के लिए कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरियों को दोष दिया जाए तो फिर मजबूत संगठन के बावजूद आरजेडी और लेफ्ट पार्टियां क्यों हारीं। सूत्र के मुताबिक राहुल ने पार्टी नेताओं से कहा कि चुनावों में जो भी दिक्कतें हुईं, उसे सुधारने पर फोकस करें। एक नेता के मुताबिक, उन्होंने (राहुल) कहा आने वाले महीनों में कई राज्यों में चुनाव होने हैं और नेताओं को उन चीजों पर फोकस करनी चाहिए, ताकि पार्टी को बिहार जैसी स्थिति का सामना करनी पड़े।

पार्टी की हार के कारणों की समीक्षा

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में एक बैठक की और हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के कारणों की समीक्षा की।

कांग्रेस ने बिहार चुनावों में 60 सीटों पर चुनाव लड़ा और छह पर जीत हासिल की

कांग्रेस ने बिहार चुनावों में 60 सीटों पर चुनाव लड़ा और छह पर जीत हासिल की, जबकि उसका वोट प्रतिशत 10 प्रतिशत से भी कम था, जो महागठबंधन का हिस्सा होने के नाते चुनाव लड़ने वाली पार्टी के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ। गठबंधन में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने भी हाल के चुनावों में खराब प्रदर्शन किया और 143 सीटों में से केवल 25 सीटें ही जीत पाई। एनडीए ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक प्रचंड जीत दर्ज की, जिसमें 243 में से 202 सीटें जीतीं, जबकि महागठबंधन को केवल 35 सीटें मिलीं। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया, जो दूसरी बार है जब एनडीए ने राज्य चुनावों में 200 सीटों का आंकड़ा पार किया। 2010 में, इसने 206 सीटें जीती थीं।

सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर पर कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

» बोले पूर्व कानून मंत्री- पिता के जन्म का प्रमाण कहां से लाऊं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट को लेकर चल रहे स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर याचिकाकर्ता आरजेडी सांसद मनोज झा ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि यह प्रक्रि या व्यवहारिक रूप से अनुचित है उन्होंने कहा कि इसके लिए वोटर को अपना बर्थ सर्टिफिकेट या कोई ऐसा दस्तावेज देना होगा, जो साबित करता हो कि उसके माता-पिता में से कोई एक भारतीय हैं. उन्होंने कहा कि अगर किसी वोटर के पिता ने 2003 के चुनाव में वोट नहीं डाला और उससे पहले ही उनकी मृत्यु हो गई तो कैसे नागरिकता साबित होगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने याचिकाकर्ता मनोज झा की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की शक्तियों के दायरे पर भी सवाल उठाए. उन्होंने पूछा, क्या बीएलओ यह तय कर सकता है कि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है या नहीं और क्या वह तय कर सकता है कि कोई वोटर भारतीय नागरिक है या नहीं? लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार कपिल सिब्बल ने कहा कि कोई वोटर भारतीय नागरिक है या नहीं, ये तय करना बीएलओ के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, क्योंकि जो बीएलओ नियुक्त किए गए हैं, वो सिर्फ स्कूल टीचर्स हैं। कपिल सिब्बल ने कहा, नागरिकता निर्धारित करने के लिए एक स्कूल शिक्षक को बीएलओ के रूप में तैनात करना, मूल रूप से और प्रक्रियात्मक रूप से एक खतरनाक और अनुचित प्रस्ताव है। कपिल सिब्बल ने कहा कि लागू किए जा रहे नियम विदेशी (नागरिक) अधिनियम के नियमों जैसे ही हैं, जहां नागरिकता साबित करने का दायित्व व्यक्ति पर है कि वह विदेशी नहीं है. उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, गणनाकर्ता वोटर से पूछेगा, मुझे बताइए आपके पिता का जन्म कब हुआ? मुझे इसका सबूत दीजिए... मैं इसका प्रमाण कैसे दे पाऊंगा? उन्होंने कहा, मैं यह दायित्व कैसे निभाऊंगा जब मेरे पिता ने 2003 की मतदाता सूची के तहत वोट नहीं दिया था या उनकी मृत्यु उससे पहले हो गई थी? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस पर कहा, लेकिन अगर आपके पिता का नाम सूची में नहीं है और आपने भी इस पर काम नहीं किया... तो शायद आप चूक गए, कोर्ट अब 2 दिसंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

श्रीलंका से उठा दितवाह का कहर!

» दक्षिण भारत के राज्यों में अगले 5 दिन मूसलाधार बारिश का खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट के मुताबिक, श्रीलंका के तट के पास एक गहरे डिप्रेशन से बना साइक्लोनिक तूफ़ान दितवाह अब उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि सिस्टम को साइक्लोनिक तूफ़ान माना जा रहा है, और अभी इसके सीवियर साइक्लोन में अपग्रेड होने का कोई अनुमान नहीं है। कोर के पास तेज़ हवाएँ 60-80 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं, जो 90 प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं, जबकि बाहरी बैंड से 35-45 प्रतिघंटाकी रफ़्तार से हवाएँ चलने की उम्मीद है, जो 55 प्रतिघंटा तक पहुँच सकती हैं। केरल, लक्षद्वीप और मालदीव के पास अरब सागर के कुछ हिस्सों में भी ऐसी ही हवाएँ चलने की संभावना है। मछुआरों को अगले पाँच दिनों तक बंगाल की खाड़ी के बड़े हिस्सों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मिलनाडु ने तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम और मयिलादुथुराई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिससे अगले 24 घंटों में 20 च्द्ध से ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, रानीपेट और चेंगलपट्टू समेत आस-पास के पांच जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य की आपदा प्रबंधन अथॉरिटी से मिलकर तैयारियों का आकलन किया और खास उपायों का रिव्यू किया। 29 और 30 नवंबर की चेतावनी के बाद, स्टालिन ने सभी विभागों को राहत कार्य में तालमेल बिठाने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रपति के आगमन पर महापौर ने सौंपी नगर की चाभी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के लखनऊ आगमन पर शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा औपचारिक स्वागत एवं सम्मान के महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बना। राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए प्रदेश और नगर के शीर्ष जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर, सुषमा खर्कवाल ने लखनऊ की गरिमामयी परंपरा के अनुरूप राष्ट्रपति को नगर की चाभी भेंट कर उनका औपचारिक स्वागत किया। नगर की चाभी सौंपना लखनऊ की ओर से सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक माना जाता है। इस सम्मान को ग्रहण करते हुए राष्ट्रपति ने लखनऊवासियों के प्रति अपना स्नेह एवं शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बृजेश पाठक उपस्थित रहे। सभी विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति का स्वागत किया और उनके आगमन को प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया।

कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग करने वाला दिल्ली में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग करने के मामले में गैंगस्टर बंधु मान सिंह को दिल्ली में गिरफ्तार किया है। बताया गया कि बंधु मान के कनाडा से दिल्ली लौटते ही उसे दबोच लिया गया।

पुलिस के अनुसार, वह गोल्डी ढिल्लों गैंग का एक बड़ा क्रिमिनल है और उसके खिलाफ कई क्रि मिनल केस दर्ज हैं। उसके पास से एक चाइनीज पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, बंधु मान के बारे में बताया जाता है कि वह विदेश में बिजनेसमैन और हाई-प्रोफाइल लोगों को टारगेट करके कई एक्सटॉर्शन रैकेट में शामिल है। जांच में पता चला कि बंधु मान ढिल्लों के नेटवर्क के साथ कोऑर्डिनेट कर रहा था और पॉपुलर आर्टिस्ट के रेस्टोरेंट को डराने-धमकाने के लिए टारगेट करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की हत्या!

» बेटे ने डेथ सेल आइसोलेशन का आरोप लगाया, जीवन का सबूत मांगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक दशक से ज़्यादा समय से देश की पॉलिटिकल दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। पर पिछले कु छ हफ्तों से उनकी कोई खोजखबर नहीं मिल रहा है। इसके लिए उनकी पार्टी ने जेल के बाहर सेना पाक सरकार के खिलाफ खूब बवाल काटा पर अब उनके पुत्र अपने पिता के जीवित होने के सबूत मांगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पहले भी आशंका जताई की उनके खिलाफ जेल में अमनावीय व्यवहार हो रहा है।

बता दें एक जाने-माने पॉलिटिकल लीडर के तौर पर, उन्होंने करप्शन के खिलाफ अपनी बातों से बहुत जल्दी नाम कमाया और नया पाकिस्तान बनाने के अपने विज़न से बहुत सारे फॉलोअर्स बनाए। इतने सालों में, खान की तरक्की कई बदलती पॉलिटिकल ताकतों से हुई, जिसके चलते उन्हें एक आइकॉन माना गया, जिन्होंने न सिर्फ पाकिस्तान में बल्कि पूरी दुनिया में लाखों सपोर्टर्स को इंस्पायर किया। 73 साल के इमरान अगस्त 2023 से कस्टडी में हैं और अभी 190 मिलियन पाउंड के करप्शन केस में अदियाला जेल में बंद हैं। उन पर 9 मई, 2023 की घटनाओं से जुड़े एंटी-टेररिज्म एक्ट के तहत भी केस चल रहे हैं। डॉन ने बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कस्टडी के दौरान उनकी हेल्थ को लेकर बार-बार चिंता जताई है। इस हफ़्ते सोशल मीडिया पर कई बिना वेरिफ़ाई किए पोस्ट घूम रहे हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जिनकी उम्र 73 साल है, की रावलपिंडी की अदियाला जेल में हत्या कर दी गई, जहाँ वे अगस्त 2023 से बंद हैं।

छोटे बेटे कासिम खान ने पब्लिक अपील जारी की

अब, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने एक सख्त पब्लिक अपील जारी की है।इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सरकार पर उनके पिता को पूरी तरह से आइसोलेशन में रखने और परिवार से सभी तरह की पहुंच रोकने का आरोप लगाया है। ङ्क पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में, उन्होंने कहा कि परिवार के पास जीवन का कोई सबूत नहीं है और चेतावनी दी कि पूर्व नेता की सुरक्षा के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। कासिम, जो पूर्व क्रिकेट स्टार से नेता बने इमरान खान को कई मामलों में जेल में रखा गया है, जिन्हें उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी राजनीति से प्रेरित बताती है। उनके बेटे, कासिम और सुलेमान, च में अपनी मां जेमिमा गोल्डस्मिथ के साथ पले-बढ़े और पाकिस्तानी पॉलिटिक्स पर पब्लिक में बहुत कम कमेंट करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने एक महीने से ज़्यादा समय से फैमिली मीटिंग पर बिना बताए बैन लगा दिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।